पादकों की सहकारी समितियां संगठित की गई हैं। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड परियोजना जून, 1979 में शुरू की गई थी और यह 7 वर्ष की अवधि में क्रियान्वित की जाती है और उन राज्यों, जहां क्रियान्वयन संबंधी कार्य पहले ही शुरू किया गया है, में इस प्रकार की सहकारी समितियों के संगठन के लिये लक्ष्य तैयार किये गये हैं।

उपरोक्त बातों के अतिरिक्त, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त सोयाबीन परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले में सिहोनी माल्वा सहकार परियोजना के श्रवण क्षेत्र में और मध्य प्रदेश के सिहोर तथा उत्तर प्रदेश के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में इसी प्रकार की परियोजना में भी तिलहन उत्पादक सहकारी समितियां स्थापित की जानी हैं।

मुर्गी पालन विकास निगम की स्थापना

146. **श्री कुम्भा राम आर्य :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुर्गी पालन विकास निगम की स्थापना करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(ख) यह कब से काम करना आरम्भ कर देगा ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन): (क) और (ख). भारतीय मुर्गी पालन विकास निगम की स्थापना करने संबंधी प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है और आशा है कि निकट भविष्य में इस मामले में निर्णय ले लिया जायेगा।

Import of Wheat from USSR

147. SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have taken a decision to import wheat from Soviet Union to the tune of 2.5 million tonnes;

(b) if so, the reasons for this import and the foreign exchange involved in this process;

(c) how much of this foreign exchange investment for wheat import will be off set by our exports of rice to USSR and Romania; and

(d) what is the present buffer stock of wheat in the country vis-a-vis procurement for the year 1982 and how it is going to be built up further during 1983?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (KUMARI KAMLA KUMARI): (a) No, Sir. No import of wheat from the Soviet Union is envisaged.

(b) and (c). Do not arise.

(d) The present stock of wheat with the public agencies in the country is estimated at about 9.18 million tonnes as on 1-9-1982, vis-a-vis procurement of wheat in the current marketing season (1982-83) estimated at about 7.7 million tonnes as on 25-9-1982. With a view to further building up of stocks, the Government has recently contracted for import of 24.95 lakh tonnes of wheat from U.S.A.

Floods in coastal district of Karnataka

148. SHRI K. MALLANNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that in the wake of massive floods in